University in News on 18 March 2025

TOI PAGE 2

LU literature students to study Mahabharat, Ramayan

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Students pursuing English literature at Lucknow University will now get to dive into the epics Mahabharat and Ramayan too along with poems of seers like Mirabai. These courses would be optional for the students.

The university's English and Modern European Languages department will introduce three new papers in MA (English) — Indian Classical Literature, Indian Poetics and Aesthetics and Bhasha Literature — from the 2025-26 session.

"The cantos (sections) of the Ramayan and Mahabharat will be taught as part of the Indian classical literature that would cover Sanskrit, regional language and philosophical texts," said department's HOD Prof Onkar Nath Upadhyay.

BOOST TO CULTURAL LITERACY

He said some selected events from the epics will be taught. The selected events dwell on cultural literacy, moral education, and understanding of Indian history, values, and philosophical traditions, said Upadhyay, adding that the availability of quality translations of the two epics would prove to be a boon for students.

Upadhyay said these courses would enable students to analyse the literary and cultural significance of classical Indian texts, understand the key literary devices and techniques used in classical Indian literature, and the influence of classical Indian literature on later literary traditions.

"Five poems each of 16th-century poet and Krishna devotee Mirabai; Gita Govindam, a 12th-century work of poet Jayadeva, and Rabindranath Tagore will also be taught," he said.

The Indian poetics and aesthetics course will cover the fundamental concepts of Indian poetics, its application in various art forms, and the differences between Indian and Western aesthetics. "Students will develop critical thinking and research skills while studying this course," said Upadhyay.

"In the third paper, Bhasha Literature, translations of regional texts of Awadhi (Tulsidas), Braj (Surdas), Bhojpuri, Telugu, Tamil, Gujarati and others will be taught," he added.

Teachers at varsity undergo NEP orientation

Lucknow: Lucknow University teachers learned about National Education Policy and its impact on language and literature education during a short-term course titled "Language and literature in NEP-2020' organized by the UGC Malaviya Mission Teacher Training Centre on the campus on Monday.

The session featured an in-depth discourse by educators and officials from UGC, All India Council of Technical Education, and others.

Experts emphasized the importance of integrating universal human values into education, aligning with UGC vision of fostering ethical, moral and holistic learning.

Around 75 people from across India attended the course. Many participants expressed their appreciation for the program, highlighting its relevance in fostering a value-based, holistic approach to life and education. TNN

NBT PAGE 2

ह्यूमन वैल्यूज का पाठ पढ़ेंगे LU के शिक्षक

यूजीसी के टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत शिक्षकों के लिए नया पाठ्यक्रम

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक अब ह्यूमन वैल्यू का पाठ पढ़ेंगे ताकि छात्रों को वो बेहतर शिक्षा दे सकें। यूजीसी के टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत एलयू के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की ओर से यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर नया पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें एलयू व डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सोमवार को एलयू में इसका उद्घाटन हुआ जिसमें यूजीसी चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार ममिडाला भी ऑनलाइन मौजूद रहे। कार्यक्रम में नेशनल कोऑर्डिनेशन कमिटी फॉर इंडक्शन प्रोग्राम के अध्यक्ष डॉ. रजनीश अरोड़ा ने कहा कि यूजीसी नैतिक, मानवीय और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रहा है। इसी के तहत यह पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। सेंटर के निदेशक प्रो. कमल कुमार ने बताया कि अभी छह दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया गया है, जिसमें एलयू व डिग्री कॉलेज के सौ से अधिक शिक्षक ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसके बाद दोबारा नए बैच की ट्रेनिंग होगी। रेग्युलर ट्रेनिंग प्रोग्राम भी संचालित किया जा रहा है।

नेशनल में 22 अप्रैल से होंगे एंड सेमेस्टर एग्जाम

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊः** शहर के कई विश्वविद्यालयों में जहां अभी मिड सेमेस्टर की परीक्षाएं हो रही हैं तो वहीं नेशनल पीजी कॉलेज की ओर से एंड सेमेस्टर एग्जाम की डेट शीट जारी कर दी गई है। कॉलेज में 22 अप्रैल से एंड सेमेस्टर एग्जाम होने जा रहे हैं। नोटिफिकेशन के मुताबिक छात्रों को परीक्षा फॉर्म भरने के लिए पांच अप्रैल तक का समय दिया गया है। प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र सिंह ने बताया कि परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गई है। अप्रैल से मई के बीच एंड सेमेस्टर एग्जाम करवाएंगे। छात्रों को अटेंडेंस पूरी करने के लिए निर्देश जारी किया गया है।

ऑनलाइन कोर्सों में आवेदन शुरू

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ**

LU: 30 मार्च तक मौका
luonlineeducation.in

लखनऊ विश्वविद्यालय में संचालित होने वाले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विवि की वेबसाइट पर सोमवार को ऑनलाइन आवेदन का फॉर्म जारी कर दिया गया। आवेदन की अंतिम तिथि 30 मार्च है।

एलयू सेंटर फॉर ऑनलाइन ऐंड डिस्टेंस एजुकेशन के तहत ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन मोड में भी अब पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि सेंटर में बीकॉम, बीबीए, एमकॉम, एमए संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, एमएसडब्ल्यू में दाखिला दिया जा सकता है। बीबीए व बीकॉम पाठ्यक्रम 3 वर्ष (6 सेमेस्टर) का है जबकि शेष परास्नातक पाठ्यक्रम 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) के हैं। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट www.luonlineeducation.in पर इससे जुड़ी जानकारी हासिल कर सकते हैं। डिस्टेंस एजुकेशन के तहत दाखिला लेने वाले छात्रों की कक्षाएं ऑनलाइन ही संचालित की जाती हैं जबकि परीक्षाएं एलयू में ऑफलाइन मोड में करवाई जाती है। सेंटर के तहत साल में दो बाद दाखिले लिए जाते हैं। पिछले साल नवंबर में दाखिले लिए गए थे जिसकी सेमेस्टर परीक्षाएं अप्रैल में होंगी। जबकि इस सेमेस्टर में जो अभ्यर्थी दाखिला लेंगे उनकी परीक्षाएं सितंबर में होंगी।

HINDUSTAN PAGE 7

एलयूः भाषा, साहित्य में शार्टटर्म कोर्स शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में एनईपी-2020 में भाषा और साहित्य पर एक लघु अवधि पाठ्यक्रम की शुरूआत हुई। 25 मार्च तक चलने वाले इस छह दिवसीय ऑनलाइन पाठ्यक्रम का शुभारंभ एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. कमल कुमार ने किया।

इस दौरान यूजीसी अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ममिडाला, एनसीसीआईपी अध्यक्ष डॉ. रजनीश अरोड़ा, डॉ. राजुल अस्थाना समेत यूजीसी, एआईसीटीई के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने विचार रखे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

16 पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को विषम सेमेस्टर के 16 पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि जिन पाठ्यक्रमों का परिणाम जारी किया गया है, उनमें एमए होमसाइंस, पॉलिटिकल साइंस, उर्दू, मास कम्यूनिकेशन व लिंग्विस्टिक शामिल हैं। इसके साथ ही बीबीए एनईपी, बीबीए आईबी, बीबीए टूरिज्म व बीएससी एनईपी का परिणाम जारी किया गया है। एमएससी फूड प्रोसेसिंग, अप्लायड जियोलॉजी, एमटीटीएम व एमबीए लुंबा विषम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम भी वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं। परिणाम में किसी तरह की गड़बड़ी होने पर विद्यार्थी परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

सिर्फ सूचनाओं को याद रखना शिक्षा नहीं : प्रो. एम जगदीश

जासं ● लखनऊ : शिक्षा केवल सूचनाओं और तथ्यों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवन दृष्टि विकसित करने का माध्यम है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के तहत और नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी फार इंडक्शन प्रोग्राम (एनसीसीआइपी) के सहयोग से सोमवार को छह दिवसीय आनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) सार्वभौमिक मानव मूल्य का शुभारंभ किया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) की ओर से संचालित कार्यक्रम में एनसीसीआइपी के अध्यक्ष डा. रजनीश अरोड़ा ने बताया कि यूजीसी नैतिक, मानवीय और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मूल्य-आधारित शिक्षा न सिर्फ विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाती है, बल्कि उन्हें एक संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने में भी सहायक होती है। एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. कमल कुमार ने स्वागत भाषण में शिक्षा में मानवीय मूल्य का महत्व बताया। आनलाइन माध्यम से यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार जुड़े रहे। उनके अनुसार, शिक्षा का मकसद सिर्फ सूचनाओं को याद रखना नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों को विकसित करना भी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना है, ताकि छात्र जीवन जीने की सही समझ भी विकसित करें। इस पाठ्यक्रम में देशभर से 75 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्होंने शिक्षा में नैतिकता और मानव मूल्यों के समावेश पर गहन चर्चा की।

नए कालेजों एवं कोर्सों को 20 अप्रैल तक सम्बद्धता

लवि नए कालेजों एवं पूर्व संचालित संस्थानों में नए पाठ्यक्रमों (बीएड को छोड़कर) की आनलाइन सम्बद्धता 20 अप्रैल तक जारी करेगा। कालेजों को निरीक्षण मंडल के लिए 20 मार्च तक आवेदन करना होगा। विश्वविद्यालय ने 30 मार्च तक निरीक्षण मंडल गठित करने की अंतिम तिथि तय कर दी है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसकी सूचना वेबसाइट पर जारी की है। लवि से सम्बद्ध लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर एवं लखीमपुर खीरी के कालेजों में पहले से संचालित ऐसे पाठ्यक्रम जिनकी सम्बद्धता आगामी 30 जून को समाप्त होने वाली है। उन सभी को निर्देश दिए गए हैं कि वे आगामी शिक्षण सत्र 2025-26 से स्थायी सहयुक्तता के लिए पोर्टल henoc.upsdc.gov.in पर आनलाइन आवेदन करके आगे की प्रक्रिया पूरी करें। अन्यथा की स्थिति में सत्र 2025-26 से ऐसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, जिसके लिए कालेज स्वयं उत्तरदायी होगा।

परिणाम घोषित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के विषम सेमेस्टर परीक्षा 2024 के विभिन्न पाठ्यक्रमों के परिणाम सोमवार को घोषित कर दिए गए हैं। इनमें एम.ए., बीबीए (एनईपी), बी.एससी. (एनईपी), एम.एससी., एम.टी.टी.एम., और एमबीए (एलयूएमबीए) सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर शामिल हैं। वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर विद्यार्थी परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि किसी भी विसंगति की स्थिति में संबंधित विभाग से संपर्क कर सकते हैं। (जासं)

लवि में किक बाक्सिंग प्रतियोगिता कल

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को किक बाक्सिंग पुरुष, महिला का मुकाबला होगा। यह मुकाबला नाथ जोन आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स में जाने के लिए है। इसमें जो भी खिलाड़ी प्रतिभाग करना चाहते हैं, उन्हें सुबह 10 बजे अपने सभी अभिलेखों और फोटो के साथ परिसर में एथलेटिक एसोसिएशन के आफिस में पहुंचना होगा।

'शिक्षा में क्षेत्रीय भाषाओं का समावेश जरूरी'

जासं ● लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में एनईपी-2020 में भाषा और साहित्य विषय पर लघु अवधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) एनईपी उन्मुखीकरण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 25 मार्च तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, शोधकर्ताओं और विद्वानों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की गहरी समझ देना है। खासकर भाषा और साहित्य शिक्षा पर इसके प्रभाव को स्पष्ट करना। इस दौरान बहुभाषिक शिक्षा, क्षेत्रीय भाषाओं के समावेश और नवीन शिक्षण पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को एनईपी-2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरण उपलब्ध कराने में सहायक होगा। इस प्रशिक्षण से भविष्य की शिक्षा प्रणाली को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने में योगदान मिलेगा। उद्घाटन व्याख्यान प्रो. निशी पांडे ने एनईपी-2020 के तहत भाषा और साहित्य शिक्षा में संभावित बदलावों पर गहन चर्चा की। इसके बाद एनआइटी तिरुचिरापल्ली के प्रो. सत्यराज वेंकटेशन ने साहित्य और नीति क्रियान्वयन के अंतःविषयक पहलुओं पर अपने विचार रखे। सत्र में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक प्रो. कमल कुमार, संयोजक प्रो. आरपी सिंह, सह-संयोजक डा. रुचि सिंह मौजूद रही।

PIONEER PAGE 3

छह दिवसीय ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ

लखनऊ। विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत और नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी फॉर इंडक्शन प्रोग्राम ऑन यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज़ के सहयोग से छह दिवसीय ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ सोमवार से किया गया। मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। कार्यक्रम का संयोजन एमएमटीसी के निदेशक प्रो. कमल कुमार एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीषा शुक्ला द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के शुभारंभ प्रो. कमल कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुआ। यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ममिडाला ने अपने आशीर्वचन भेजे थे। इसके अलावा, एनसीसीआईपी के अध्यक्ष डॉ. रजनीश अरोड़ा, डॉ. राजुल अस्थाना तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने विचार साझा किए।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र ने शुरू किये दो नये कोर्स

● एमएमटीटीसी, लविवि एवं यूजीसी द्वारा सार्वभौमिक मानव मूल्यों पर ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के तहत और नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी फॉर इंडक्शन प्रोग्राम (एनसीसीआईपी) ऑन यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज (यूएचवी) (सार्वभौमिक मानव मूल्यों) के सहयोग से छह दिवसीय ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम सोमवार को सुबह शुरू हुआ। इसे लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। कार्यक्रम का संयोजन एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. कमल कुमार एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीषा शुक्ला द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. कमल कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुआ। यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ममिडाला ने अपने आशीर्वचन भेजे थे। इसके अलावा, एनसीसीआईपी के अध्यक्ष डॉ. रजनीश अरोड़ा, डॉ. राजुल अस्थाना तथा यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीसीआईपी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने विचार साझा किए। अपने संबोधन में डॉ. रजनीश अरोड़ा ने शिक्षा में यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज के समावेशन पर बल दिया। उन्होंने बताया कि यूजीसी किस प्रकार नैतिक, मानवीय और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य कर रहा है। इस पाठ्यक्रम में देशभर से 75 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और गहन चर्चा में सक्रिय रूप से भागीदारी की। प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम को एक अद्भुत पहल बताते हुए इसे मूल्य-आधारित, समग्र एवं मानवतावादी जीवनशैली से सीधे जुड़ा हुआ बताया। यह पहल मूल्य-आधारित शिक्षा के प्रति यूजीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और लखनऊ विश्वविद्यालय को शैक्षिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में और अधिक सशक्त बनाती है।